नोएडा-ग्रेटर नोएडा मेट्रो: एक्वा लाइन विस्तार को कैबिनेट की मंजूरी, ₹2,390 करोड़

12 नवंबर 2026: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने **नोएडा सेक्टर 51 से ग्रेटर नोएडा सेक्टर 04 तक एक्वा लाइन विस्तार** मेट्रो रेल परियोजना को मंजूरी दी - **8.5 किमी एलिवेटेड कॉरिडोर, 5 नए स्टेशन, अनुमानित लागत ₹2,390 करोड़**।

परियोजना के मुख्य बिंदु

- **मार्ग:** एक्वा लाइन का विस्तार नोएडा सेक्टर 51 से ग्रेटर नोएडा सेक्टर 04 तक; **8.5 किमी एलिवेटेड कॉरिडोर** पर **5 नए स्टेशन**।
- **लागत-समय:** ₹2,390 करोड़ की अनुमानित लागत से **4 वर्ष** में पूरा होने का लक्ष्य।
- **दिल्ली मेट्रो से जुड़ाव: नोएडा सेक्टर 61 पर इंटरचेंज** से नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट सीधे दिल्ली मेट्रो से जुड़ेंगे।
- **जनसंख्या-संदर्भ:** नोएडा-ग्रेटर नोएडा की संयुक्त जनसंख्या 2011 की 7.39 लाख से बढ़कर 2021 में अनुमानित **24.7 लाख** (मास्टरप्लान) - तीन गुना से अधिक।
- **राहत:** पर्थला चौक, गौर चौक और एक मूर्ति सर्किल पर जाम घटेगा; निजी वाहनों से मेट्रो की ओर बदलाव - सतत शहरी गतिशीलता और कम प्रदूषण।
- **आगे की कनेक्टिविटी:** मैजेंटा लाइन से IGI एयरपोर्ट; ब्लू लाइन से नई दिल्ली, आनंद विहार और हज़रत निज़ामुद्दीन स्टेशन; बोराकी के आगामी मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्टेशन हब और RRTS कॉरिडोर से नोएडा अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट (जेवर) व हिंडन एयरपोर्ट।
- **आर्थिक बेल्ट:** IKEA, Adobe, HCL, Havells जैसे MNC, आगामी डेटा सेंटर, आवासीय सेक्टर और शिक्षा-केंद्रों को सेवा - NCR कार्यबल के लिए विश्वसनीय कनेक्टिविटी।

शहरी रेल परिवहन: प्रिलिम्स के स्थायी तथ्य

- **कैबिनेट मंजूरी:** मेट्रो रेल परियोजनाएं केंद्रीय मंत्रिमंडल के अनुमोदन के बाद केंद्र-राज्य की संयुक्त-उद्यम कंपनी (जैसे NMRC - नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन) द्वारा क्रियान्वित होती हैं।
- **एक्वा लाइन:** NMRC द्वारा संचालित नोएडा-ग्रेटर नोएडा लाइन; DMRC की लाइनों (ब्लू, मैजेंटा आदि) से अलग संचालक।
- **राष्ट्रीय शहरी परिवहन नीति:** 2006 की नीति और मेट्रो रेल नीति 2017 - शहरी गतिशीलता, सार्वजनिक परिवहन और TOD (ट्रांज़िट-ओरिएंटेड डेवलपमेंट) पर ज़ोर।
- **RRTS:** क्षेत्रीय द्रुत पारगमन प्रणाली - NCR में दिल्ली-मेरठ आदि कॉरिडोर, क्रियान्वयन NCRTC द्वारा।

परिचय: UPSC-PCS परीक्षा की दृष्टि से

- **सिलेबस लिंक:** सामान्य अध्ययन - बुनियादी ढांचा (शहरी परिवहन), उत्तर प्रदेश विशेष (PCS)।
- **कुंजी:** एक्वा लाइन = NMRC (नोएडा); ब्लू/मैजेंटा = DMRC (दिल्ली) - संचालक भ्रमित न करें।
- **PCS कोण:** उत्तर प्रदेश के शहरीकरण और बुनियादी ढांचा-परियोजनाएं UPPCS के प्रत्यक्ष प्रश्न-क्षेत्र हैं।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1: कैबिनेट द्वारा अनुमोदित नोएडा मेट्रो एक्वा लाइन विस्तार के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

I. विस्तार नोएडा सेक्टर 51 से ग्रेटर नोएडा सेक्टर 04 तक है।

II. कॉरिडोर 8.5 किमी भूमिगत है और इसमें 5 नए स्टेशन होंगे।

III. नोएडा सेक्टर 61 पर इंटरचेंज से यह दिल्ली मेट्रो से जुड़ेगा।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल I और II

(b) केवल I और III

(c) केवल II और III

(d) I, II और III

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (b)

- कथन I सही है: विस्तार नोएडा सेक्टर 51 से ग्रेटर नोएडा सेक्टर 04 तक है।
- कथन II गलत है: 8.5 किमी कॉरिडोर एलिवेटेड है, भूमिगत नहीं; 5 नए स्टेशन सही हैं।
- कथन III सही है: नोएडा सेक्टर 61 पर इंटरचेंज से दिल्ली मेट्रो से जुड़ाव होगा।

प्रश्न 2: नोएडा-ग्रेटर नोएडा की एक्वा मेट्रो लाइन का संचालन कौन करता है?

(a) दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (DMRC)

(b) नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (NMRC)

(c) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (NCRTC)

(d) उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल निगम (UPMRC)

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (b)

एक्वा लाइन का संचालन नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (NMRC) करता है; DMRC दिल्ली की लाइनें चलाता है और NCRTC क्षेत्रीय RRTS कॉरिडोर बनाता है।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

संक्षिप्त उत्तर: केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नोएडा सेक्टर 51 से ग्रेटर नोएडा सेक्टर 04 तक एक्वा लाइन का 8.5 किमी एलिवेटेड विस्तार (5 नए स्टेशन, ₹2,390 करोड़, 4 वर्ष) मंजूर किया है, जिससे नोएडा-ग्रेटर नोएडा वेस्ट सीधे दिल्ली मेट्रो से जुड़ेंगे।

प्रश्न: एक्वा लाइन विस्तार कितने समय में और कितनी लागत से पूरा होगा?

परियोजना 4 वर्ष में पूरी करने का लक्ष्य है और इसकी अनुमानित लागत ₹2,390 करोड़ है। यह 8.5 किमी लंबा एलिवेटेड कॉरिडोर होगा जिसमें 5 नए स्टेशन बनेंगे।

प्रश्न: इस विस्तार से यात्रियों को क्या लाभ होगा?

नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट नोएडा सेक्टर 61 के इंटरचेंज से सीधे दिल्ली मेट्रो से जुड़ेंगे, जिससे यात्रा-समय घटेगा और पर्थला चौक, गौर चौक व एक मूर्ति सर्किल का जाम कम होगा। मैजेंटा लाइन से IGI एयरपोर्ट और ब्लू लाइन से प्रमुख रेलवे स्टेशनों की कनेक्टिविटी भी मिलेगी।

प्रश्न: यह परियोजना आगे किन-किन से जुड़ेगी?

बोराकी के आगामी मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्टेशन हब से सीधे जुड़ाव होगा, और RRTS कॉरिडोर के माध्यम से नोएडा अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट (जेवर) तथा हिंडन एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी मिलेगी।

स्रोत (Sources):

- PIB - कैबिनेट ब्रीफिंग, 11 नवंबर 2026 (नोएडा-ग्रेटर नोएडा मेट्रो: ₹2,390 करोड़)
- PIB - कैबिनेट निर्णय, 11 नवंबर 2026